Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
04 May
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Result Mitra
NEWS
FIND
Social Network
Access Denied

Quote of the Day

Result Mitra™

आपके विचार, आपकी वास्तविकता को आकार देते हैं, इसलिए उन्हें बुद्धिमानी से चुनें।"

Result Mitra

दादा साहब फाल्के : भारतीय सिनेमा के जनक

UPSC Mains Paper - 1

DAILY
CURRENT AFFAIRS

दादा साहब फाल्के : भारतीय सिनेमा के जनक

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- 30 अप्रैल को दादा साहब फाल्के की जयंती मनाई जाती है, जिन्हें भारतीय सिनेमा का जनक कहा जाता है।
- उनकी जयंती पर उनकी उपलब्धियों और भारतीय सिनेमा में उनके योगदान को याद किया जाता है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

दादा साहब फाल्के : भारतीय सिनेमा के जनक

Result Mitra

दादा साहब फाल्के का जीवन और शुरुआत

- धुंडिराज गोविंद फाल्के, जिन्हें दादा साहब फाल्के के नाम से जाना जाता है, का जन्म 30 अप्रैल, 1870 को नासिक, महाराष्ट्र में हुआ था।
- उन्होंने कला और तकनीक में रुचि दिखाई और जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट, बंबई से पढ़ाई की। इसके बाद, उन्होंने फोटोग्राफी और छपाई का प्रशिक्षण लिया।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

दादा साहब फाल्के : भारतीय सिनेमा के जनक

Result Mitra

दादा साहब फाल्के का जीवन और शुरुआत

- 1910 में, लंदन में एक मूक फिल्म द लाइफ ऑफ क्राइस्ट देखने के बाद उन्हें भारतीय सिनेमा की संभावनाओं का अहसास हुआ।
- उन्होंने भारत में फिल्म निर्माण शुरू करने का फैसला किया, जो उस समय एक क्रांतिकारी विचार था।
- उन्होंने अपनी सारी बचत और संपत्ति बेचकर 1912 में फाल्के फिल्म्स कंपनी की स्थापना की।

DAILY CURRENT AFFAIRS

दादा साहब फाल्के : भारतीय सिनेमा के जनक

Result Mitra

दादा साहब फाल्के का जीवन और शुरुआत

- उनकी पहली फिल्म, राजा हरिश्चंद्र (1913), भारत की पहली फुल लेंथ वाली फीचर फिल्म थी।
- इस फिल्म को बनाने में कई चुनौतियाँ थीं, जैसे तकनीकी सीमाएँ, धन की कमी और अभिनेताओं की अनुपलब्धता।
- उस समय महिलाएँ अभिनय नहीं करती थीं, इसलिए पुरुषों ने महिला किरदार निभाए।
- इस प्रकार राजा हरिश्चंद्र की सफलता ने भारतीय सिनेमा की नींव रखी।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

दादा साहब फाल्के : भारतीय सिनेमा के जनक

Result Mitra

भारतीय सिनेमा में योगदान

- दादा साहब फाल्के ने 1913 से 1918 तक लगभग 95 फिल्में और 26 लघु फिल्में बनाईं।
- उनकी प्रमुख फिल्मों में लंका दहन (1917), श्री कृष्ण जन्म (1918) और कालीया मर्दन (1919) शामिल हैं।
- उन्होंने पौराणिक और ऐतिहासिक कहानियों को स्क्रीन पर लाकर भारतीय दर्शकों के साथ सांस्कृतिक जुड़ाव स्थापित किया।

DAILY CURRENT AFFAIRS

दादा साहब फाल्के : भारतीय सिनेमा के जनक

Result Mitra

भारतीय सिनेमा में योगदान

- फाल्के ने न केवल निर्देशन, बल्कि लेखन, छायांकन, संपादन और विशेष प्रभावों में भी योगदान दिया।
- उन्होंने स्वदेशी तकनीकों का उपयोग कर फिल्म निर्माण को आत्मनिर्भर बनाया।
- उनकी तकनीकी नवाचार, जैसे कि स्पेशल इफेक्ट्स और स्टॉप-मोशन तकनीक, उस समय के लिए अभूतपूर्व थे।

DAILY CURRENT AFFAIRS

दादा साहब फाल्के : भारतीय सिनेमा के जनक

Result Mitra

भारतीय सिनेमा में योगदान

- लंका दहन में उनके द्वारा बनाए गए दृश्य आज भी तकनीकी कौशल का उदाहरण हैं।
- राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय, पुणे में उनकी फिल्मों के अवशेष संरक्षित हैं, जो फिल्म छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

दादा साहब फाल्के : भारतीय सिनेमा के जनक

Result Mitra

दादा साहब फाल्के पुरस्कार

परिचय

- दादा साहब फाल्के पुरस्कार भारतीय सिनेमा का सबसे प्रतिष्ठित सम्मान है, जो भारत सरकार द्वारा उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने भारतीय सिनेमा के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है।
- यह पुरस्कार 1969 में शुरू किया गया था और इसका नाम धुंडिराज गोविंद फाल्के, जिन्हें दादा साहब फाल्के के नाम से जाना जाता है, के नाम पर रखा गया है।

दादा साहब फाल्के : भारतीय सिनेमा के जनक

Result Mitra

दादा साहब फाल्के पुरस्कार

परिचय

- फाल्के ने 1913 में भारत की पहली पूर्ण लंबाई वाली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र का निर्देशन किया था, जिसने भारतीय सिनेमा की नींव रखी।
- पुरस्कार का उद्देश्य सिनेमा के क्षेत्र में जीवनकाल की उपलब्धियों को सम्मानित करना है, और यह राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में प्रदान किया जाता है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

दादा साहब फाल्के : भारतीय सिनेमा के जनक

Result Mitra

दादा साहब फाल्के पुरस्कार

परिचय

- प्राप्तकर्ता को स्वर्ण कमल (गोल्डन लोटस) मेडल, एक शॉल और 10 लाख रुपये का नगद पुरस्कार दिया जाता है।
- पुरस्कार के लिए चयन एक समिति द्वारा किया जाता है, जिसमें फिल्म उद्योग और सरकार के प्रतिष्ठित सदस्य शामिल होते हैं।

दादा साहब फाल्के : भारतीय सिनेमा के जनक

Result Mitra

दादा साहब फाल्के पुरस्कार

पुरस्कार का इतिहास और महत्व

- दादा साहब फाल्के पुरस्कार की स्थापना 1969 में भारत सरकार ने भारतीय सिनेमा के पितामह दादा साहब फाल्के की स्मृति में की थी।
- यह पुरस्कार न केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों को सम्मानित करता है, बल्कि भारतीय सिनेमा की सांस्कृतिक और कलात्मक विरासत को भी उजागर करता है।

DAILY

CURRENT AFFAIRS

दादा साहब फाल्के : भारतीय सिनेमा के जनक

Result Mitra

दादा साहब फाल्के पुरस्कार

पुरस्कार का इतिहास और महत्व

- यह पुरस्कार विभिन्न क्षेत्रों जैसे अभिनय, निर्देशन, निर्माण, संगीत और तकनीकी योगदान को मान्यता देता है।
- पुरस्कार की शुरुआत के बाद से, यह भारतीय सिनेमा के दिग्गजों के लिए एक प्रतीक बन गया है, जो उनकी कला और समर्पण को दर्शाता है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

दादा साहब फाल्के : भारतीय सिनेमा के जनक

Result Mitra

दादा साहब फाल्के पुरस्कार

पुरस्कार का चयन और प्रक्रिया

- दादा साहब फाल्के पुरस्कार के लिए प्राप्तकर्ता का चयन एक समिति द्वारा किया जाता है, जिसमें फिल्म उद्योग के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व और सरकारी नियुक्त सदस्य शामिल होते हैं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

दादा साहब फाल्के : भारतीय सिनेमा के जनक

Result Mitra

दादा साहब फाल्के पुरस्कार

पुरस्कार का चयन और प्रक्रिया

- यह समिति उम्मीदवारों के योगदान का व्यापक मूल्यांकन करती है, जिसमें उनकी रचनात्मकता, प्रभाव और सिनेमा के विकास में दीर्घकालिक योगदान शामिल होता है।
- यह प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी होने के लिए डिज़ाइन की गई है, ताकि केवल सबसे योग्य व्यक्ति को सम्मानित किया जाए।

DAILY CURRENT AFFAIRS

दादा साहब फाल्के : भारतीय सिनेमा के जनक

Result Mitra

विभिन्न वर्षों के प्रमुख विजेता		
वर्ष	विजेता	योगदान
1969	देविका रानी	अभिनेत्री, बॉम्बे टॉकीज की सह-संस्थापक
1970	बी. एन. सरकार	निर्माता, न्यू थिएटर्स के संस्थापक
1972	पृथ्वीराज कपूर	अभिनेता, निर्माता, पृथ्वी थिएटर के संस्थापक
1975	वी. शांताराम	निर्देशक, निर्माता, राजकमल कला मंदिर के संस्थापक
1985	राज कपूर	अभिनेता, निर्देशक, निर्माता, आरके स्टूडियोज के संस्थापक

DAILY CURRENT AFFAIRS

दादा साहब फाल्के : भारतीय सिनेमा के जनक

Result Mitra

2025 की घोषणा

- मई 2025 तक, दादा साहब फाल्के पुरस्कार 2025 के विजेता की घोषणा नहीं की गई है।
- राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार आमतौर पर पिछले वर्ष की फिल्मों के लिए अगले वर्ष में घोषित किए जाते हैं।
- उदाहरण के लिए, 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2022 की फिल्मों के लिए अगस्त 2024 में घोषित किए गए थे, जिसमें मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के पुरस्कार मिला।

DAILY CURRENT AFFAIRS

दादा साहब फाल्के : भारतीय सिनेमा के जनक

Result Mitra

2025 की घोषणा

- चूंकि दादा साहब फाल्के पुरस्कार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह का हिस्सा है, इसलिए 2025 के विजेता की घोषणा भी उसी समय होने की संभावना है।
- यह पुरस्कार जीवनकाल की उपलब्धियों के लिए है, इसलिए यह किसी विशेष वर्ष की फिल्मों से सीधे जुड़ा नहीं है, लेकिन इसका चयन और घोषणा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के साथ होती है।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. दादा साहब फाल्के पुरस्कार भारत सरकार द्वारा भारतीय खेलों में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है।

2. यह पुरस्कार धुंडिराज गोविंद फाल्के की स्मृति में 1969 में शुरू किया गया था।

3. पुरस्कार प्राप्तकर्ता को ₹10 लाख नकद राशि प्रदान की जाती है।

सही विकल्प चुनिए:

A) केवल 1

B) केवल 2 और 3

C) केवल 3

D) सभी 1, 2 और 3

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

उत्तर: B) केवल 2 और 3

- व्याख्या:
- कथन 1: यह कथन गलत है क्योंकि दादा साहब फाल्के पुरस्कार भारतीय सिनेमा के क्षेत्र में जीवनभर के योगदान के लिए दिया जाता है, न कि खेलों में। खेलों में उत्कृष्ट योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा 'राजीव गांधी खेल रत्न' (अब मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार) जैसे पुरस्कार दिए जाते हैं।
- कथन 2: यह सही है। यह पुरस्कार 1969 में शुरू किया गया था और इसका नाम धुंडिराज गोविंद फाल्के (भारतीय सिनेमा के पितामह) के नाम पर रखा गया था। उन्होंने 1913 में भारत की पहली फीचर फिल्म "राजा हरिश्चंद्र" का निर्देशन किया था।
- कथन 3: सही है। पुरस्कार के रूप में प्राप्तकर्ता को: एक शॉल, स्वर्ण कमल (Golden Lotus), और ₹10 लाख की नकद राशि प्रदान की जाती है। यह राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में सम्मानित किया जाता है।

Result Mitra

WAVES 2025

UPSC Mains Paper - 3

DAILY
CURRENT AFFAIRS

WAVES 2025

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा आयोजित विश्व ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (WAVES) 2025, 1 से 4 मई 2025 तक मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया।

DAILY

CURRENT AFFAIRS

WAVES 2025

Result Mitra

WAVES 2025 के बारे में

- यह समिट मीडिया और मनोरंजन (M&E) उद्योग के लिए एक वैश्विक मंच है, जो भारत को डिजिटल सामग्री और नवाचार के लिए वैश्विक हब के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखता है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व ने रचनात्मकता, संस्कृति और डिजिटल नवाचार को भारत की विकास यात्रा के प्रमुख स्तंभों के रूप में पहचाना, और WAVES 2025 इस दृष्टि को जीवंत करता है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

WAVES 2025

Result Mitra

WAVES 2025 के बारे में

- समिट की तारीखें पहले फरवरी 2025 के लिए निर्धारित थीं, लेकिन बाद में इसे मई 2025 में स्थानांतरित किया गया, जैसा कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने पुष्टि की।
- यह आयोजन भारत की सॉफ्ट पावर और वैश्विक मीडिया और मनोरंजन (M&E) उद्योग में बढ़ती भूमिका को रेखांकित करता है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

WAVES 2025

Result Mitra

WAVES 2025 के बारे में

- मुंबई में भारत के पहले विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (WAVES) में, डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को जगह मिली।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन किए गए चार दिवसीय कार्यक्रम WAVES 2025 में 90 से अधिक देशों के 10,000 से अधिक प्रतिनिधि, 1,000 क्रिएटर्स, 300 से अधिक कंपनियाँ और 350 से अधिक स्टार्टअप्स ने भाग लिया।

पटकथा (script)
content
Animation
Visual effects
Gaming

WAVES 2025

Result Mitra

WAVES 2025 के बारे में

- शिखर सम्मेलन में 42 पूर्ण सत्र, 39 ब्रेकआउट सत्र और 32 मास्टरक्लास आयोजित किए गए, जो प्रसारण, इन्फोटेनमेंट, AVGC-XR (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी), फिल्मों और डिजिटल मीडिया सहित विभिन्न क्षेत्रों में फैले हुए थे।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

WAVES 2025

Result Mitra

समिट का महत्व

- भारत वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े और विविध सामग्री उत्पादकों में से एक है, जिसमें एक गतिशील M&E उद्योग है जो फिल्मों, टेलीविजन, OTT प्लेटफॉर्म, खेल और समाचारों को शामिल करता है।
- MyGov Blogs के अनुसार, वैश्विक मीडिया और मनोरंजन (M&E) उद्योग 2022 में 2.32 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचा, जिसमें भारत का बाजार 26.2 बिलियन डॉलर का था।

DAILY CURRENT AFFAIRS

WAVES 2025

Result Mitra

समिट का महत्व

- भारतीय मीडिया और मनोरंजन (M&E) उद्योग 2021 में लगभग 28 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2026 तक लगभग 54 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।
- WAVES 2025 इस शक्ति को प्रदर्शित करता है और रचनात्मक अर्थव्यवस्था के विकास को तेज करने, निवेश आकर्षित करने और भारत को मनोरंजन व्यवसाय में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखता है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

WAVES 2025

Result Mitra

WAVES 2025 चार प्रमुख थीमों पर आधारित है:		
क्रमांक	थीम	विवरण
1	ब्रॉडकास्टिंग एंड इन्फोटेनमेंट	पारंपरिक और डिजिटल प्रसारण, समाचार और मनोरंजन सामग्री।
2	AVGC-XR	एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और विस्तारित वास्तविकता (AR/VR/XR)।
3	डिजिटल मीडिया एंड इनोवेशन	जेनेरेटिव AI, मेटावर्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म।
4	फिल्म्स	सिनेमाई कहानी कहने और वैश्विक फिल्म निर्माण।

WAVES 2025

Result Mitra

- ये स्तंभ पारंपरिक से लेकर अत्याधुनिक तकनीकों के व्यापक स्पेक्ट्रम को कवर करते हैं।

क्रिएट इन इंडिया चैलेंज और क्रिएटोस्फीयर

- 'क्रिएट इन इंडिया चैलेंज' समिट का एक प्रमुख आकर्षण है, जिसमें 85,000 से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुईं, जिनमें 1,100 विदेशी प्रविष्टियां शामिल हैं।
- कठिन चयन प्रक्रिया के बाद, 750 फाइनलिस्ट 'क्रिएटोस्फीयर' में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करते हैं।

WAVES 2025

Result Mitra

क्रिएट इन इंडिया चैलेंज और क्रिएटोस्फीयर

क्रिएटोस्फीयर में शामिल हैं:

- मास्टरक्लास और वर्कशॉप
- गेमिंग अरेना
- चैलेंज का ग्रैंड फिनाले
- WAVES CIC अवॉर्ड्स

WAVES 2025

Result Mitra

वैश्विक मीडिया वार्ता और थॉट लीडर्स ट्रैक

- 2 मई 2025 को आयोजित वैश्विक मीडिया वार्ता में नीति निर्माता, मीडिया पेशेवर और उद्योग नेता अंतरराष्ट्रीय सहयोग, मीडिया नैतिकता और नवाचार पर चर्चा हुई।
- थॉट लीडर्स ट्रैक में दुनिया भर के CEO और विशेषज्ञों ने प्लेनरी और ब्रेकआउट सत्रों में भाग लिए, जो रणनीतिक भागीदारियों और उभरते रुझानों पर केंद्रित रही।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra™

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. विश्व ऑडियो विज़ुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (WAVES) 2025 मुंबई में आयोजित किया गया ।

2. इस समिट का उद्देश्य भारत को वैश्विक रक्षा नवाचार का केंद्र बनाना है।

उपयुक्त में से सही विकल्प चुनिए:

A. केवल 1

B. केवल 2

C. 1 और 2 दोनों

D. न तो 1 न ही 2

Result Mitra

उत्तर: C) केवल 1

- व्याख्या:
- कथन 1: सही -WAVES 2025 का आयोजन भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा 1–4 मई 2025 के बीच मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में किया गया।
- कथन 2: गलत - यह समिट मीडिया और मनोरंजन (Media & Entertainment) उद्योग से संबंधित है, न कि रक्षा नवाचार से। इसका उद्देश्य भारत को डिजिटल कंटेंट और नवाचार का वैश्विक केंद्र बनाना है।

Result Mitra

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना: 9 वर्ष पूरे

UPSC Mains Paper - 3

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना: 9 वर्ष पूरे

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY) को 1 मई 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उत्तर प्रदेश के बलिया में शुरू किया गया था। इसने हाल ही में अपने 9 वर्ष पूरे किए हैं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना: 9 वर्ष पूरे

Result Mitra

योजना का विवरण

- यह योजना गरीबी रेखा से नीचे (BPL) जीवन यापन करने वाले परिवारों की महिलाओं को मुफ्त तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (LPG) कनेक्शन प्रदान करती है, जिसका उद्देश्य लकड़ी, कोयले और गोबर जैसे पारंपरिक ईंधनों के उपयोग को कम करना है।
- ये ईंधन महिलाओं के स्वास्थ्य और पर्यावरण को नुकसान पहुँचाते हैं।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना: 9 वर्ष पूरे

Result Mitra

योजना का विवरण

- योजना का नारा "स्वच्छ ईंधन, बेहतर जीवन" इसके मिशन को दर्शाता है।
- PMUY को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (MoPNG) द्वारा संचालित किया जाता है। शुरू में, योजना का लक्ष्य 5 करोड़ BPL महिलाओं को LPG कनेक्शन प्रदान करना था, जिसके लिए ₹8000 करोड़ का बजट आवंटित किया गया था।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना: 9 वर्ष पूरे

Result Mitra

योजना का विवरण

- अप्रैल 2018 में, योजना का विस्तार किया गया और लक्ष्य को 8 करोड़ कनेक्शनों तक बढ़ाया गया।

इसके साथ ही, निम्नलिखित सात अतिरिक्त श्रेणियों को शामिल किया गया:

- अनुसूचित जाति और जनजाति
- वनवासी
- अति पिछड़ा वर्ग
- द्वीप समूह के निवासी
- चाय बागान श्रमिक
- प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लाभार्थी

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना: 9 वर्ष पूरे

Result Mitra

योजना का विवरण

अंत्योदय अन्न योजना (AAY) के लाभार्थी

- लाभार्थियों का चयन 2011 की सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना के आधार पर किया गया।
- 2021 में, उज्ज्वला 2.0 शुरू की गई, जिसने प्रवासी परिवारों के लिए आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाया और अतिरिक्त 1.6 करोड़ कनेक्शनों का लक्ष्य रखा।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना: 9 वर्ष पूरे

Result Mitra

हालिया उपलब्धियाँ और आँकड़े

- योजना ने उल्लेखनीय प्रगति की है - पहले चरण में, 8 करोड़ गरीब परिवारों, विशेष रूप से दलित और आदिवासी समुदायों को मुफ्त LPG कनेक्शन प्रदान किए गए।
- पिछले 6 वर्षों में, देश भर में 11,000 से अधिक नए LPG वितरण केंद्र स्थापित किए गए हैं।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना: 9 वर्ष पूरे

Result Mitra

हालिया उपलब्धियाँ और आँकड़े

- सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 1 मार्च 2025 तक, कुल 10.33 करोड़ PMUY कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।
- अप्रैल 2022 से मार्च 2024 के बीच, 8.99 करोड़ कनेक्शनों में से 8.34 करोड़ लाभार्थियों ने कम से कम एक रिफिल का उपयोग किया।

DAILY CURRENT AFFAIRS

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना: 9 वर्ष पूरे

Result Mitra

हालिया उपलब्धियाँ और आँकड़े

- 2024-25 के लिए, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने PMUY ग्राहकों के लिए ₹300 की सब्सिडी को मार्च 2025 तक जारी रखने को मंजूरी दी थी।
- दिसंबर 2024 तक, उज्ज्वला 2.0 के तहत 2.34 करोड़ कनेक्शन जारी किए गए थे।

DAILY CURRENT AFFAIRS

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना: 9 वर्ष पूरे

Result Mitra

योजना के प्रमुख लाभ

- महिला सशक्तीकरण और स्वास्थ्य: स्वच्छ ईंधन के उपयोग से महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। पारंपरिक ईंधनों से होने वाली श्वास संबंधी बीमारियों और मृत्यु दर में कमी आई है।
- पर्यावरण संरक्षण: LPG के उपयोग से जलावन लकड़ी की कटाई कम हुई, जिससे वन उन्मूलन में कमी आई और वायु प्रदूषण कम हुआ।

DAILY CURRENT AFFAIRS

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना: 9 वर्ष पूरे

Result Mitra

योजना के प्रमुख लाभ

- प्रवासियों के लिए सुविधा: उज्ज्वला 2.0 ने प्रवासी परिवारों के लिए निवास प्रमाण पत्र की आवश्यकता को सरल बनाया, जिससे उन्हें कनेक्शन प्राप्त करना आसान हुआ।
- बच्चों की सुरक्षा: वायु प्रदूषण के कारण छोटे बच्चों में श्वास संबंधी गंभीर बीमारियों में कमी दर्ज की गई।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना: 9 वर्ष पूरे

Result Mitra

चुनौतियाँ

- रिफिल की कम दर: कई लाभार्थी अपने सिलेंडर को नियमित रूप से रिफिल नहीं कराते, जिससे योजना का प्रभाव सीमित होता है।
- बढ़ती कीमतें: LPG सिलेंडर की कीमतें, जो बाजार में ₹850 से अधिक हो सकती हैं, रिफिल को वहन करने में बाधा डालती हैं, हालाँकि योजना के तहत ₹550 में उपलब्ध हैं।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना: 9 वर्ष पूरे

चुनौतियाँ

- पारदर्शिता की कमी: लाभार्थी चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी की शिकायतें हैं।
- वितरण अनियमितताएँ: LPG सिलेंडर की आपूर्ति और वितरण में अनियमितताएँ देखी गई हैं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना: 9 वर्ष पूरे

Result Mitra

विवाद और आलोचना

- कुछ आलोचकों का कहना है कि योजना ने कनेक्शन प्रदान करने में तो सफलता हासिल की, लेकिन रिफिल की कम दर और बढ़ती कीमतों के कारण इसका दीर्घकालिक प्रभाव सीमित रहा है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में, कई परिवार अभी भी पारंपरिक ईंधनों पर निर्भर हैं।
- इसके बावजूद, योजना को महिलाओं के स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण में योगदान के लिए व्यापक रूप से सराहा गया है।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1.प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली महिलाओं को मुफ्त LPG कनेक्शन प्रदान करना है।

2. योजना के लाभार्थियों का चयन 2011 की सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (SECC) के आधार पर किया गया था।

3. 2021 में शुरू की गई उज्ज्वला 2.0 का उद्देश्य केवल नगरीय क्षेत्रों में कनेक्शन देना था।

निम्न में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

A) केवल 1 और 2 ✓ B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3 D) सभी 1, 2 और 3

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

सही उत्तर: A) केवल 1 और 2

- व्याख्या:
- कथन 1: सही - प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का मूल उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे (BPL) रहने वाली महिलाओं को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन देना है ताकि वे पारंपरिक और प्रदूषणकारी ईंधनों (जैसे लकड़ी, गोबर) से मुक्ति पा सकें।
- कथन 2: सही - योजना के लाभार्थियों का चयन 2011 की सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (SECC) के आँकड़ों के आधार पर किया गया था, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि सबसे जरूरतमंद परिवारों तक योजना पहुँचे।
- कथन 3: गलत - उज्ज्वला 2.0 (2021) का उद्देश्य प्रवासी परिवारों को भी शामिल करना और आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाना था, न कि इसे केवल नगरीय क्षेत्रों तक सीमित करना।

Result Mitra

क्या है ऑरेंज इकॉनमी ?

UPSC Mains Paper - 3

DAILY CURRENT AFFAIRS

क्या है ऑरेंज इकॉनमी ?

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- भारत सरकार ने हाल ही में वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (WAVES 2025) से पहले 1 अरब डॉलर का फंड शुरू करने की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य भारत की उभरती ऑरेंज/क्रिएटर इकॉनमी को बढ़ावा देना है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

क्या है ऑरेंज इकॉनमी ?

Result Mitra

खबर के मुख्य बिन्दु

- सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह फंड क्रिएटर्स को पूंजी, कौशल विकास और वैश्विक बाजार तक पहुंच प्रदान करेगा।
- इसके साथ ही, 391 करोड़ रुपये की लागत से इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजी (IICT) की स्थापना की जाएगी, जो रचनात्मक और डिजिटल तकनीकों में विशेषज्ञता प्रदान करेगा। WAVES 2025 का लक्ष्य कंटेंट क्रिएटर्स को उच्च मूल्य वाले कंटेंट बनाने के लिए मंच प्रदान करना है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

क्या है ऑरेंज इकॉनमी ?

Result Mitra

खबर के मुख्य बिन्दु

- इसके अतिरिक्त, WAVES बाजार नामक एक वैश्विक ई-मार्केटप्लेस शुरू किया गया है, जो भारतीय क्रिएटर्स को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ता है।
- यह मंच क्रिएटर्स को अपने प्रोजेक्ट्स पिच करने और वैश्विक सहयोग बनाने में मदद करता है।

क्या है ऑरेंज इकॉनमी ?

Result Mitra

ऑरेंज इकॉनमी क्या है?

- ऑरेंज इकॉनमी एक ऐसी अर्थव्यवस्था है जो कला, संस्कृति और रचनात्मकता पर आधारित है।

इसमें निम्नलिखित क्षेत्र शामिल हैं:

- फिल्में और टेलीविजन: बॉलीवुड, क्षेत्रीय सिनेमा और डिजिटल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म।
- संगीत: पारंपरिक, पॉप, और डिजिटल म्यूजिक प्रोडक्शन।

क्या है ऑरेंज इकॉनमी ?

Result Mitra

ऑरेंज इकॉनमी क्या है?

इसमें निम्नलिखित क्षेत्र शामिल हैं:

- फैशन और डिज़ाइन: परिधान, आभूषण और ग्राफिक डिज़ाइन।
- डिजिटल मीडिया: यूट्यूब, टिकटॉक, और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स।
- थिएटर और प्रदर्शन कला: नाटक, नृत्य और लाइव प्रदर्शन।

क्या है ऑरेंज इकॉनमी ?

Result Mitra

ऑरेंज इकॉनमी क्या है?

- इस शब्द को कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति इवान ड्यूक मारक्वेज़ और पूर्व संस्कृति मंत्री फेलिप बुइत्रागो ने गढ़ा था।
- उनके अनुसार, "ऑरेंज" रंग सांस्कृतिक और रचनात्मक पहचान का प्रतीक है।
- ऑरेंज इकॉनमी न केवल आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है, बल्कि सामाजिक एकता और शांति को भी प्रोत्साहित करती है।

क्या है ऑरेंज इकॉनमी ?

ऑरेंज इकॉनमी क्या है?

- उदाहरण के लिए, कोलंबिया के मेडेलिन शहर में, सरकार ने दो विरोधी गैंग्स को एक म्यूजिक फेस्टिवल में हिस्सा लेने के लिए एकजुट किया, जिससे हिंसा में कमी आई और समुदाय में सकारात्मक बदलाव आया।

कोलंबिया → गैंग्स

DAILY CURRENT AFFAIRS

क्या है ऑरेंज इकॉनमी ?

Result Mitra

ऑरेंज इकॉनमी का प्रभाव

सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव

- शांति और समझ: कला और संस्कृति के माध्यम से समुदायों को एकजुट करने में मदद मिलती है। कोलंबिया का उदाहरण दर्शाता है कि संगीत और कला हिंसा को कम कर सकते हैं।
- सांस्कृतिक सॉफ्ट पावर: भारत जैसे देश अपनी सांस्कृतिक विरासत, जैसे बॉलीवुड और योग, के माध्यम से वैश्विक प्रभाव बढ़ा सकते हैं।

क्या है ऑरेंज इकॉनमी ?

Result Mitra

ऑरेंज इकॉनमी का प्रभाव

आर्थिक विकास

- रोजगार सृजन: क्रिएटिव उद्योग लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करते हैं।
- निर्यात संभावनाएं: डिजिटल कंटेंट और सांस्कृतिक उत्पादों के निर्यात से विदेशी मुद्रा अर्जन।

DAILY CURRENT AFFAIRS

क्या है ऑरेंज इकॉनमी ?

Result Mitra

भारत में ऑरेंज इकॉनमी का महत्व

- भारत में ऑरेंज इकॉनमी का विशेष महत्व है, क्योंकि देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और डिजिटल प्रगति इसे एक आदर्श मंच बनाती है।

निम्नलिखित क्षेत्रों में इसका प्रभाव देखा जा सकता है:

- बॉलीवुड और क्षेत्रीय सिनेमा: भारत का फिल्म उद्योग वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध है और सॉफ्ट पावर का एक प्रमुख स्रोत है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

क्या है ऑरेंज इकॉनमी ?

भारत में ऑरेंज इकॉनमी का महत्व

निम्नलिखित क्षेत्रों में इसका प्रभाव देखा जा सकता है:

- लोक कला और हस्तशिल्प: पारंपरिक कला और शिल्प रोजगार और सांस्कृतिक संरक्षण को बढ़ावा देते हैं।
- डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स: यूट्यूब, इंस्टाग्राम और टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्म्स पर लाखों क्रिएटर्स सक्रिय हैं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

क्या है ऑरेंज इकॉनमी ?

Result Mitra

भारत में ऑरेंज इकॉनमी का महत्व

निम्नलिखित क्षेत्रों में इसका प्रभाव देखा जा सकता है:

- गेमिंग: भारत में गेमिंग उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें 467,000 इन्फ्लुएंसर्स दिसम्बर 2024 तक सक्रिय हैं।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने WAVES समिट में कहा कि ऑरेंज इकॉनमी की तीन धुरी हैं: कंटेंट, क्रिएटिविटी और कल्चर। उन्होंने भविष्यवाणी की कि भारतीय संगीत और कंटेंट जल्द ही वैश्विक स्तर पर छा जाएगा।

क्या है ऑरेंज इकॉनमी ?

Result Mitra

तेजी से बढ़ रही भारत की क्रिएटर इकॉनमी

- एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में भारत में 962,000 इंफ्लुएंसर्स थे, जो 2024 तक 4.06 मिलियन तक पहुंच गए, जो 322% की वृद्धि दर्शाता है।
- यूट्यूब पर भारतीय चैनलों द्वारा अपलोड किए गए कंटेंट के घंटों में 40% की सालाना वृद्धि हुई है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

क्या है ऑरेंज इकॉनमी ?

Result Mitra

ब्रांडों के साथ साझेदारी

- इंफ्लुएंसर्स अब ब्रांडों के लिए रणनीतिक भागीदार बन गए हैं, जो प्रामाणिक और प्रभावी कंटेंट के माध्यम से दर्शकों तक पहुंचते हैं।
- FMCG, ऑटोमोबाइल और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में 40-57% ब्रांड्स 2026 तक इंफ्लुएंसर मार्केटिंग पर खर्च बढ़ाने की योजना बना रहे हैं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

क्या है ऑरेंज इकॉनमी ?

Result Mitra

आर्थिक प्रभाव

- भारत की क्रिएटर इकॉनमी का बाजार आकार 2023 में 976 मिलियन डॉलर था, जो 2030 तक 3,926.2 मिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें 22% की वार्षिक वृद्धि दर होगी।
- यूट्यूब के क्रिएटिव इकोसिस्टम ने 2021 में भारत की जीडीपी में लगभग ₹10,000 करोड़ (1.2 बिलियन डॉलर) और 2023 में ₹16,000 करोड़ (1.9 बिलियन डॉलर) का योगदान दिया, जिसने 7.5 लाख पूर्णकालिक नौकरियां उत्पन्न की।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

क्या है ऑरेंज इकॉनमी ?

भारत की क्रिएटर इकॉनमी का भविष्य

रोजगार सृजन

- यह अर्थव्यवस्था विशेष रूप से गैर-महानगरीय क्षेत्रों में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर रही है।
- लगभग 12% कंटेंट क्रिएटर्स प्रति माह 1 लाख से 10 लाख रुपये कमा रहे हैं, और 86% क्रिएटर्स को अगले दो वर्षों में आय में 10% की वृद्धि की उम्मीद है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

क्या है ऑरेंज इकॉनमी ?

Result Mitra

भारत की क्रिएटर इकॉनमी का भविष्य

वैश्विक निर्यात

- WAVES बाजार जैसे पहल भारत को कंटेंट का नेट एक्सपोर्टर बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। यह मंच क्रिएटर्स को वैश्विक दर्शकों तक पहुंचने में मदद करता है।
- भारत का सांस्कृतिक कंटेंट, जैसे फिल्में और संगीत, वैश्विक बाजारों में पहले से ही लोकप्रिय है।

क्या है ऑरेंज इकॉनमी ?

Result Mitra

भारत की क्रिएटर इकॉनमी का भविष्य

तकनीकी प्रगति

- इंटरनेट और स्मार्टफोन की बढ़ती पहुंच (2030 तक 1.5 बिलियन इंटरनेट उपयोगकर्ता अनुमानित) ने क्रिएटर्स को बड़े दर्शकों तक पहुंचने में सक्षम बनाया है।
- यूट्यूब सुपर थैंक्स, सुपर चैट और इंस्टाग्राम शॉप जैसे नए मुद्रीकरण मॉडल क्रिएटर्स को आय बढ़ाने में मदद कर रहे हैं।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न : निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1.WAVES 2025 शिखर सम्मेलन में एक वैश्विक ई-मार्केटप्लेस शुरू किया गया, जो भारतीय क्रिएटर्स को वैश्विक अवसरों से जोड़ता है।

2. 'ऑरेंज इकॉनमी' शब्द का प्रयोग पहली बार भारत सरकार द्वारा 2024 में किया गया था।

3. ऑरेंज इकॉनमी की तीन मुख्य आधार कंटेंट, क्रिएटिविटी और कल्चर हैं।

सही उत्तर चुनिए:

A) केवल 1 और 2

B) केवल 1 और 3

C) केवल 2 और 3

D) सभी 1, 2 और 3

Result Mitra

Result Mitra

उत्तर: B) केवल 1 और 3

- व्याख्या:
- कथन 1: सही - WAVES 2025 में 'WAVES बाजार' नामक एक ई-मार्केटप्लेस लॉन्च किया गया, जिसका उद्देश्य भारतीय क्रिएटर्स को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ना और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना है।
- कथन 2: गलत - 'ऑरेंज इकॉनमी' शब्द भारत सरकार द्वारा नहीं बल्कि कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति इवान ड्यूक और पूर्व संस्कृति मंत्री फेलिप बुइत्रागो द्वारा गढ़ा गया था। यह कला, संस्कृति और रचनात्मकता आधारित अर्थव्यवस्था को दर्शाता है।
- कथन 3: सही- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने WAVES समिट में कहा कि ऑरेंज इकॉनमी की तीन धुरी हैं: कंटेंट, क्रिएटिविटी और कल्चर, और भारत को इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनने की क्षमता है।

लोकसभा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति है चिंताजनक

UPSC Mains Paper 2

Result Mitra

लोकसभा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति है चिंताजनक

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- लोकसभा उपाध्यक्ष का पद भारतीय संसदीय प्रणाली का एक महत्वपूर्ण संवैधानिक पद है, जो संविधान के अनुच्छेद 93 के तहत स्थापित किया गया है।
- यह पद न केवल विधायी कार्यवाही की निरंतरता सुनिश्चित करता है, बल्कि संसद में निष्पक्षता और लोकतांत्रिक समावेशन को भी बढ़ावा देता है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

लोकसभा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति है चिंताजनक

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- यह पद 17वीं लोकसभा (2019-2024) भी खाली था और 18वीं लोकसभा (2024 से अब तक) में रिक्त ही बना हुआ है।
- इस रिक्ति ने संवैधानिक और संसदीय चिंताओं को जन्म दिया है, क्योंकि संविधान में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि लोकसभा को यथाशीघ्र अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव करना होगा।

DAILY CURRENT AFFAIRS

लोकसभा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति है चिंताजनक

Result Mitra

लोकसभा उपाध्यक्ष से संबंधित संवैधानिक प्रावधान

अनुच्छेद 93:

- यह प्रावधान करता है कि लोकसभा को यथाशीघ्र अपने दो सदस्यों को क्रमशः अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में चुनना होगा। "यथाशीघ्र" शब्द का उपयोग इस पद की भर्ती को अनिवार्य बनाता है, हालांकि कोई निश्चित समय-सीमा नहीं है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

लोकसभा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति है चिंताजनक

Result Mitra

लोकसभा उपाध्यक्ष से संबंधित संवैधानिक प्रावधान

अनुच्छेद 94:

- इसमें अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पद रिक्त होने, त्यागपत्र और हटाए जाने के प्रावधान हैं। उपाध्यक्ष को हटाने के लिए लोकसभा के सभी तत्कालीन सदस्यों के पूर्ण बहुमत से 14 दिन की पूर्व सूचना पर प्रस्ताव पारित करना आवश्यक है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

लोकसभा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति है चिंताजनक

Result Mitra

लोकसभा उपाध्यक्ष से संबंधित संवैधानिक प्रावधान

अनुच्छेद 95(1):

- यह कहता है कि यदि अध्यक्ष का पद रिक्त हो, तो उपाध्यक्ष अध्यक्ष के कर्तव्यों का निर्वहन करेगा और सदन की अध्यक्षता करते समय अध्यक्ष की समान शक्तियों का प्रयोग करेगा। नियमों में "अध्यक्ष" के सभी संदर्भ उपाध्यक्ष के लिए भी लागू होते हैं, जब वह अध्यक्षता करता है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

लोकसभा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति है चिंताजनक

Result Mitra

लोकसभा उपाध्यक्ष से संबंधित संवैधानिक प्रावधान

अनुच्छेद 178:

- यह राज्य विधानसभाओं के अध्यक्षों और उपाध्यक्षों के लिए समान प्रावधान करता है।

इन प्रावधानों से यह स्पष्ट है कि उपाध्यक्ष का पद संवैधानिक रूप से महत्वपूर्ण है और इसके बिना संसदीय कार्यवाही में व्यवधान हो सकता है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

लोकसभा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति है चिंताजनक

Result Mitra

चुनाव और हटाने की प्रक्रिया

- चुनाव लोकसभा के सदस्यों में से उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के साधारण बहुमत द्वारा किया जाता है। अध्यक्ष चुनाव की तारीख तय करता है।
- परंपरागत रूप से, यह पद विपक्ष को दिया जाता है, हालांकि यह संवैधानिक या कानूनी रूप से अनिवार्य नहीं है।

लोकसभा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति है चिंताजनक

Result Mitra

चुनाव और हटाने की प्रक्रिया

- उदाहरण के लिए, यूपीए-प्रथम (2004-09), यूपीए-द्वितीय (2009-14) अटल बिहारी वाजपेयी (1999-2004), पी.वी. नरसिम्हा राव (1991-96), और चंद्रशेखर (1990-91) के कार्यकाल में विपक्ष के सदस्य उपाध्यक्ष थे।
- अलग से शपथ की आवश्यकता नहीं है; तीसरी अनुसूची के तहत सांसद की शपथ पर्याप्त है।

लोकसभा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति है चिंताजनक

चुनाव और हटाने की प्रक्रिया

- हटाने की प्रक्रिया में, उपाध्यक्ष को निम्नलिखित मामलों में हटाया जा सकता है: यदि वे लोकसभा सदस्य नहीं रहते, त्यागपत्र देते हैं, या लोकसभा के सभी सदस्यों के पूर्ण बहुमत से हटाए जाते हैं। पद रिक्त होने पर, लोकसभा नए सदस्य का चुनाव करती है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

लोकसभा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति है चिंताजनक

Result Mitra

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- लोकसभा उपाध्यक्ष का पद ब्रिटिश शासन के दौरान 1921 में केंद्रीय विधान सभा में शुरू हुआ, जिसमें सच्चिदानंद सिन्हा पहले उपाध्यक्ष थे।
- स्वतंत्रता के बाद, एम. अनंतशयनम अयंगर भारत की पहली लोकसभा के पहले निर्वाचित उपाध्यक्ष बने।

DAILY CURRENT AFFAIRS

लोकसभा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति है चिंताजनक

Result Mitra

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- 1956 में, अध्यक्ष जी.वी. मावलंकर के निधन के बाद, अयंगर ने कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और बाद में दूसरी लोकसभा के अध्यक्ष चुने गए।
- 1935 के भारत सरकार अधिनियम ने "उपाध्यक्ष" शब्दावली को औपचारिक रूप दिया।
- इस पद की ऐतिहासिक परंपरा में यह देखा गया है कि यह विपक्ष को सशक्त बनाने और संसदीय संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

लोकसभा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति है चिंताजनक

भूमिका और जिम्मेदारियाँ

- अध्यक्ष की अनुपस्थिति में सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता करना, जिसमें व्यवस्था बनाए रखना, प्रस्तावों को अनुमति देना और मतदान की निगरानी शामिल है।
- अध्यक्ष के समान शक्तियों का प्रयोग करना, जैसे कि नियमों की व्याख्या और आदेश बिंदुओं पर निर्णय लेना।

DAILY CURRENT AFFAIRS

लोकसभा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति है चिंताजनक

Result Mitra

भूमिका और जिम्मेदारियाँ

- प्रमुख संसदीय समितियों, जैसे नियम समिति, से जुड़ा होना और किसी समिति का सदस्य नियुक्त होने पर स्वतः उसका अध्यक्ष बनना।
- दलीय संबद्धता से ऊपर उठकर निष्पक्ष रूप से कार्य करना, हालांकि उसे अपनी मूल पार्टी से त्यागपत्र देने की आवश्यकता नहीं है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

लोकसभा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति है चिंताजनक

Result Mitra

महत्व

- यह विधायी निरंतरता सुनिश्चित करता है, विशेष रूप से अध्यक्ष की अनुपस्थिति में।
- यह एक स्वतंत्र संवैधानिक पद है, जो अध्यक्ष के अधीन नहीं है और संसदीय प्रक्रियाओं में निष्पक्षता बनाए रखता है।

लोकसभा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति है चिंताजनक

Result Mitra

महत्व

- परंपरागत रूप से, विपक्ष को यह पद देकर द्विदलीय सहयोग और आम सहमति को बढ़ावा मिलता है, जो संसदीय नेतृत्व में समावेशिता को मजबूत करता है।
- यह जनता के विश्वास को सुदृढ़ करता है, क्योंकि उपाध्यक्ष को दलीय संबद्धता से ऊपर उठकर कार्य करना पड़ता है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

लोकसभा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति है चिंताजनक

Result Mitra

वर्तमान स्थिति और चिंताएँ

- मई 2025 तक, 18वीं लोकसभा में उपाध्यक्ष का पद रिक्त है, जैसा कि 17वीं लोकसभा में भी था।
- यह रिक्ति 23 जून 2019 से शुरू हुई और यह पहली बार है कि किसी लोकसभा ने पूरे कार्यकाल में उपाध्यक्ष नहीं चुना।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

लोकसभा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति है चिंताजनक

Result Mitra

वर्तमान स्थिति और चिंताएँ

इस रिक्ति ने निम्नलिखित चिंताएँ बढ़ाई हैं:

- फरवरी 2023 में, भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में एक जनहित याचिका पर सुनवाई हुई, जिसमें दावा किया गया कि यह रिक्ति संविधान के पत्र और भावना के खिलाफ है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

लोकसभा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति है चिंताजनक

Result Mitra

वर्तमान स्थिति और चिंताएँ

इस रिक्ति ने निम्नलिखित चिंताएँ बढ़ाई हैं:

- विपक्ष ने इस पद की मांग की है, और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष एनडीए के अध्यक्ष उम्मीदवार का समर्थन करेगा, बशर्ते उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को दिया जाए।
- रिक्ति से अध्यक्ष की अनुपस्थिति में कार्यवाही बाधित हो सकती है, और संसदीय समितियों का कामकाज प्रभावित हो सकता है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

लोकसभा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति है चिंताजनक

Result Mitra

सुधार के लिए सुझाव

- संविधान में संशोधन करके या नियम बनाकर उपाध्यक्ष का चुनाव नई लोकसभा की पहली बैठक के 30 दिनों के भीतर अनिवार्य किया जा सकता है।
- वैधानिक प्रावधान के तहत राष्ट्रपति को, विलंब होने पर, प्रधानमंत्री की सलाह पर चुनाव प्रक्रिया शुरू करने का अधिकार दिया जा सकता है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

लोकसभा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति है चिंताजनक

Result Mitra

सुधार के लिए सुझाव

- अध्यक्ष की उपस्थिति में भी उपाध्यक्ष को नियमित रूप से अध्यक्षता के कर्तव्यों का हस्तांतरण करने से प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी।
- विस्तृत संसदीय नियमों या वैधानिक ढांचे के माध्यम से उपाध्यक्ष की शक्तियों और जिम्मेदारियों को परिभाषित करने से अस्पष्टता कम होगी और विधायी तटस्थता की रक्षा होगी।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1.भारतीय संविधान के अनुच्छेद 93 के अनुसार, लोकसभा को यथाशीघ्र अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव करना अनिवार्य है।

2. परंपरागत रूप से लोकसभा उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को दिया जाता है, लेकिन यह संवैधानिक रूप से अनिवार्य नहीं है।

सही उत्तर चुनिए:

A. केवल 1 B. केवल 2

C. 1 और 2 दोनों D. न तो 1 न ही 2

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

उत्तर: C) 1 और 2 दोनों

- व्याख्या:
- कथन 1: सही - अनुच्छेद 93 के अनुसार, लोकसभा को "यथाशीघ्र" अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव करना होता है। हालाँकि इसमें कोई निश्चित समय-सीमा नहीं दी गई है, फिर भी यह एक संवैधानिक दायित्व है।
- कथन 2: सही - परंपरागत रूप से, यह पद विपक्ष को दिया जाता है ताकि संसदीय संतुलन बना रहे, लेकिन यह कोई संवैधानिक या कानूनी अनिवार्यता नहीं है। इतिहास में कई बार विपक्षी दलों के सांसद इस पद पर रहे हैं, लेकिन सरकार द्वारा भी किसी सदस्य को चुना जा सकता है।

केदारनाथ धाम के कपाट खुल गए

UPSC Mains Paper 1

DAILY

CURRENT AFFAIRS

केदारनाथ धाम के कपाट खुल गए

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- 2 मई 2025 को, मंदिर के कपाट सुबह 7:00 बजे विधिवत पूजा के साथ भक्तों के लिए खोल दिए गए, जो हर साल गर्मियों में खुलता है और सर्दियों में बंद रहता है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

केदारनाथ धाम के कपाट खुल गए

Result Mitra

केदारनाथ धाम के बारे में

- यह उत्तराखंड के गढ़वाल हिमालय में मंदाकिनी नदी के किनारे 3,583 मीटर की ऊँचाई पर स्थित, हिंदू धर्म के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में से एक है।
- यह भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है और छोटा चार धाम (यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ, बद्रीनाथ) यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

केदारनाथ धाम के कपाट खुल गए

Result Mitra

केदारनाथ धाम के बारे में

- मंदिर में भगवान शिव स्वयंभू त्रिकोणीय शिवलिंग के रूप में विराजमान हैं, जिसकी परिधि और ऊँचाई 3.6 मीटर है।
- यह धाम धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

केदारनाथ धाम के कपाट खुल गए

Result Mitra

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- केदारनाथ धाम का इतिहास प्राचीन काल से जुड़ा है।
- स्कंद पुराण (7वीं-8वीं शताब्दी) में इसका उल्लेख है, जहाँ कहा गया है कि भगवान शिव ने यहाँ गंगा को मुक्त किया।
- 12वीं शताब्दी तक यह स्थल प्रमुख तीर्थस्थल के रूप में स्थापित हो चुका था। मान्यता है कि मंदिर का निर्माण पांडव राजा जनमेजय ने करवाया था।

DAILY CURRENT AFFAIRS

केदारनाथ धाम के कपाट खुल गए

Result Mitra

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- 8वीं शताब्दी में, आदि शंकराचार्य ने मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया और यहीं महासमाधि प्राप्त की। मंदिर के पास उनकी समाधि के अवशेष आज भी मौजूद हैं।
- मंदिर की वास्तुकला उत्तर-भारतीय हिमालयी शैली को दर्शाती है, जो इसकी प्राचीनता और सौंदर्य को उजागर करती है।

केदारनाथ धाम के कपाट खुल गए

Result Mitra

पौराणिक कथाएँ

- केदारनाथ धाम से कई पौराणिक कथाएँ जुड़ी हैं, जो इसकी पवित्रता को और बढ़ाती हैं।

नर-नारायण की भक्ति

- शिवपुराण की कोटीरुद्र संहिता के अनुसार, प्राचीन काल में बदरीवन में भगवान विष्णु के अवतार नर-नारायण ने पार्थिव शिवलिंग बनाकर प्रतिदिन पूजा की।

केदारनाथ धाम के कपाट खुल गए

पौराणिक कथाएँ

नर-नारायण की भक्ति

- उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव यहाँ प्रकट हुए और नर-नारायण से वरदान मांगने को कहा।
- नर-नारायण ने वर माँगा कि भगवान शिव सदा के लिए यहाँ विराजमान रहें, ताकि अन्य भक्तों को भी उनके दर्शन प्राप्त हों।
- भगवान शिव ने यह वरदान दिया और यह क्षेत्र केदार के नाम से जाना गया।

केदारनाथ धाम के कपाट खुल गए

पौराणिक कथाएँ

पांडवों की तपस्या

- महाभारत के अनुसार, पांडवों ने कौरवों और अन्य बंधुओं की हत्या के पाप से मुक्ति पाने के लिए भगवान शिव की खोज शुरू की।
- पांडवों को देखकर भगवान शिव केदार पर्वत पर अंतर्ध्यान हो गए और भैंसे का रूप धारण कर लिया।
- भीम ने अपने विशाल रूप में भगवान शिव को पहचान लिया और उनके पीछे का हिस्सा पकड़ लिया।

केदारनाथ धाम के कपाट खुल गए

Result Mitra

पौराणिक कथाएँ

पांडवों की तपस्या

- भगवान शिव पांडवों की भक्ति से प्रसन्न हुए और उन्हें दर्शन देकर पापमुक्त किया। तभी से यहाँ शिवलिंग को भैंसे की पीठ की आकृति में पूजा जाता है।
- मान्यता है कि भैंसे का मुख नेपाल में पशुपतिनाथ के रूप में प्रकट हुआ।
- यह कथा पंच केदार (केदारनाथ, तुंगनाथ, रुद्रनाथ, मध्यमहेश्वर, कल्पेश्वर) की स्थापना से भी जुड़ी है।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1.केदारनाथ धाम मंदाकिनी नदी के किनारे स्थित है और यह 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है।

2. स्कंद पुराण और शिवपुराण दोनों में केदारनाथ धाम का उल्लेख मिलता है।

3. केदारनाथ मंदिर का निर्माण आदि शंकराचार्य ने करवाया और उन्होंने यहीं महासमाधि प्राप्त की।

सही उत्तर चुनिए:

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) सभी 1, 2 और 3

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

सही उत्तर: A) केवल 1 और 2

- व्याख्या:
- कथन 1: सही - केदारनाथ धाम उत्तराखंड के गढ़वाल हिमालय क्षेत्र में स्थित है और मंदाकिनी नदी के किनारे बसा है। यह भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है, इसलिए अत्यंत पवित्र माना जाता है।
- कथन 2: सही - स्कंद पुराण में इसका उल्लेख है, जहाँ कहा गया है कि भगवान शिव ने यहाँ गंगा को मुक्त किया। शिवपुराण की कोटीरुद्र संहिता में नर-नारायण द्वारा की गई पूजा का वर्णन है। इससे इसकी पौराणिक और धार्मिक प्रामाणिकता सिद्ध होती है।
- कथन 3: गलत - मंदिर का निर्माण पांडवों के वंशज राजा जनमेजय द्वारा कराया गया माना जाता है। आदि शंकराचार्य ने इसका जीर्णोद्धार करवाया था, निर्माण नहीं। उन्होंने यहीं महासमाधि ली थी, जो मंदिर के पीछे स्थित है।

Thank You

Result Mitra™